

विशेष अनुरोध-पत्र

प्रेषक,

एन. सिंह सेंगर, समाजसेवी,

निवास: ताजपुर-बिधूना, जनपद औरैया, उ. प्र.,

मोबाइल 7302757448

सेवा में,

अध्यक्ष-सचिव/निदेशक,

माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश, प्रयागराज।

ई-मेल द्वारा प्रेषित

विषय: मा.शि.प.से संबद्ध इंटर कालेजों के अमानक प्रबंधकतंत्रों-शिक्षकों व अवैध वसूली से प्रभावित छात्र-शिक्षा महोदय,

उत्तर प्रदेश राज्य के माध्यमिक शिक्षा परिषद से सम्बद्ध इंटर कालेजों में फर्जीबाड़े चरम पर हैं। स्ववित्तपोषी कालेजों में प्रधानाचार्यों-प्रवक्ताओं पदों पर अयोग्य-अमानक पदासीनताओं व शिक्षण-प्रशिक्षण की उपेक्षा से माध्यमिक शिक्षा व विद्यार्थी-भविष्य बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। अधिकांश इंटर कालेजों के मानकी प्रधानाचार्य-प्रवक्ता मान्यता-बोर्ड पेपर्स के फर्जीबाड़ों तक सीमित व कालेज-कार्यों से विलोपित, अन्य नौकरी व्यवसाय में संलिप्त हैं। इंटर कालेजों के अमानक प्रबंधकतंत्र छात्रों से भारी शुल्क लेने के बावजूद मानकी शिक्षकों से शिक्षण नहीं कराते हैं। इसके बावजूद इन कालेजों में हाईस्कूल-इंटर-साइंस, कला, वाणिज्य की मान्यता परीक्षा संचालन जारी है। यह कैसी बिड़बना है कि जिन्हें दिशा-शब्दों तक का ज्ञान नहीं है, उन्हें धन-नकल प्रभाव में साइंस में हाईस्कूल-इंटरमीडिएट की उत्तीर्ण परीक्षा प्रमाण-पत्र से विभूषित किया जा रहा है।

उ.प्र.के इंटर कालेजों में प्रबंधक और उनके परिजन-संबंधी स्वयं-भू प्रधानाचार्य व प्रवक्ता बन कर बैठते हैं। इन कालेजों के प्रबंधक-दलाल प्रधानाचार्य पद के स्वयं फर्जी हस्ताक्षर बनाकर शिक्षक-पदों के वेतन-भत्ते, छात्रवृत्तियों सहित कालेज-शैक्षिक धन-संपत्ति हड़पकर गंभीर वित्तीय अनियमितताएँ कर रहे हैं। यह छात्रों को मानकी शिक्षण से वंचित कर अयोग्य लोगों से शिक्षण खाना-पूर्ति एवं परीक्षा में नकल कराकर धन कमाते हैं। इन कालेजों में मानकी प्रधानाचार्य-शिक्षक-छात्र उपस्थिति एवं शिक्षण-प्रशिक्षण भ्रामक-फर्जी बनाई जाती है।

आज मा.शि.प.से संबद्ध एडिड-स्ववित्तपोषी कालेज कुख्यात नेताओं माफियाओं के अड्डे व अवैध कमाई के स्रोत बने हुए हैं। इन कालेजों में आयुध-प्रदर्शन व राजनीति के अखाड़े चलते हैं एवं भ्रामक प्रचार से लोगों को फंसाकर व नकल-पास ठेका देकर धन उगाही करते हैं। स्ववित्तपोषी कालेजों में स्वयं-भू प्रधानाचार्यों, शिक्षकों, दलालों, बाजारू ट्यूशन-कोचिंग वालों की भरमार रहती है। स्ववित्तपोषी कक्षाएँ सरकारी-एडिड शिक्षकों एवं अयोग्यों से पढ़वाई जाती है एवं सरकारी शिक्षण-कालेज धन-संपत्ति हड़पकर निजी स्कूल चलाए जा रहे हैं।

उ.प्र.के अधिकांश कालेज देश-समाज व विद्यार्थियों के लिए घातक सिद्ध हो रहे हैं। कालेजों में स्वयंभू-फर्जी शिक्षकों-प्रधानाचार्यों और अमानक व्यवस्थाओं के फर्जीबाड़े व्यक्ति-समाज को पंगु बना रहे हैं। जिसमें कालेज प्रबंधकों, दलालों, शिक्षाविभाग के कर्मियों की संलिप्तता व फर्जीबाड़ों-अवैध वसूलियों में बंदर-बांट जग-जाहिर है। कालेजों के प्रधानाचार्य-शिक्षक नियुक्तियाँ, प्रबंध-समितियाँ, मान्यताएँ, संबद्धताएँ, परीक्षाकेंद्र अनुमोदन, परीक्षा में नकल भ्रष्टाचारियों की कमाई के स्रोत बन गए हैं। विद्यार्थी मानकी शिक्षा पाने हेतु भटक रहे हैं। जिस पर जबाबदेह अंकुश लगाए बिना व्यक्ति, समाज, देश व शिक्षा के हितों की सुरक्षा संभव नहीं है।

अतः अनुरोध है कि, उक्त तथ्यों-सुझावों पर गंभीरता पूर्वक विचार कर उ.प्र. के मा.शि.प. से संबद्ध कालेजों में व्याप्त फर्जीबाड़ों पर अंकुश लगाकर कालेजों के अमानक प्रबंधकतंत्रों एवं स्वयं-भू प्रधानाचार्यों-शिक्षकों वाले कालेजों की मान्यताएँ निरस्त कर कालेजों में मानकी शिक्षण-व्यवस्था जनहित में अवश्य प्रदान करें।

आदर सहित।

दिनांक. 12-01-2021

भूवीदीय
(एन सिंह सेंगर)

निवास-ताजपुर, बिधूना,
जनपद औरैया, उ.प्र.,

सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु विभागीय ई-मेल पते से प्रेषित प्रतिलिपि

1. अध्यक्ष-सचिव, शिक्षा विभाग, भारत सरकार, नई-दिल्ली।
2. अध्यक्ष-सचिव-निदेशक, राष्ट्रीय शिक्षक एवं प्रशिक्षण परिषद, भारत सरकार, नई-दिल्ली।
3. अध्यक्ष-सचिव-निदेशक, राज्य शिक्षक प्रशिक्षण परिषद, उ.प्र. लखनऊ।
4. अध्यक्ष-सचिव-निदेशक, आल इंडिया काउंसिल ऑफ टेक्नीकल एजुकेशन नई दिल्ली।
5. अध्यक्ष-सचिव, एन.सी.ई.आर.टी. भारत सरकार, नई दिल्ली।